Department of History

Dayanand College Hisar

Annual Report

2022-23

- Bridge course for the session started by the department as per the requirement of student according to syllabus and semester for BA 2nd year and 3rd student it was organised between August 16th to August 23rd 2022 and for BA 1st year student it organised from 2nd September to 10th September 2022.
- Quiz Contest as the Annual feature of the department was organised on 13th October 2022. In this contest, team of Ravinder Kumar, Bhavuk Kumar and Siddharth Sharma of BA 2nd year got First prize and team of Priyanka, Ankush and Bhoomika of BA Final student got second prize and Ajay, Kuldeep Sharma and Kanika of BA final begged third prize.
- Formation of History Association for the Session 2022-23 held on ^{2nd} September 2022.
 Sandeep Kumar, BA III, Roll no. 203042250652 became President and Kamal of BA II Roll no. 213042250491 became Secretary.
- Shahid Bhagat Singh Jayanti Celebrated by the Department on 28-09-2022. Principal Dr.
 Vikramjit Singh all three teachers and Office Bearer of History Association pay tribute to
 Shahid Bhagat Singh. Dr. Mahender Singh Head of the Department addresses the
 students on work and achievements of Shahid Bhagat Singh.
- Annual exhibition of the History department organise between 9th February 2023 to 15th February 2023. On the Eve of Bicentenary of the birth of Maharishi Dayanand Saraswati.
 Theme of the exhibition was teaching and legacy of Swami Dayanand Saraswati.
 Opening of the exhibition held on 10th February. Chief Guest on the Occasion were Ch.
 Hari Singh Saini, President Arya Samaj, Lala Lajpat Ray, Hisar and Shri Ramesh Likha,

Secretary DAV College Managing Committee. On this occasion Dr. Mahender Singh HOD History explain the exhibition and rare document related to Swami Dayanand Saraswati. In the opening Principal Vikramjit Singh welcome and explain the purpose of annual exhibition. Stage was conducted by Dr Suruchi Sharma and both guest express their view and address the student on the theme. Closing of the exhibition was held on 15th February. The famous Arya samajist Shri Aryavesh was the Chief Guest and main speaker. He express his view on the theme as well as life and teaching of Swami Dayanand Saraswati.

- Department of History organised a local visit to Historical site at Hisar on 25th February 2023. 400 Student of the department participate in this visit. All three teacher of the department divided the student in groups and explain about the importance art, architecture and feature of Hisar Fort. College student ask many question regarding the Hisar Fort. Lastly student also visits Gujari Mahal of Hisar.
- On April 6th 23 One day special workshop organised on Strategic Information Warfare and National Security by the department with the collaboration of Department of Defence Studies. In this workshop Key Note Speaker was Dr S. K. Mishra and Expert was Dr. Pragya Kaushik. Theme of workshop and importance was explained by the expert in present scenario. Both speaker first deliver their ideas and after that answer the question of students.
- On the Eve of Dr Ambedkar Jayanti on 13th April 2023 a talk was organised by the
 Department of History with the collaboration of department of Political Science, Public
 Administration and Defence Studies. Dr Mahender Singh, HOD History deliver a talk on
 relevance and thought of Dr Ambedkar in Contemporary Era. Principal Dr. Vikramjit
 Singh also addresses the gathering and stress on the importance of such functions in
 academic institutions. After discussion of question answer session also organised for
 the students.

Rakhigadhi is prominent place of Harappan civilization and part of Hisar district. In this year excavation is going on by ASI or Archaeological Survey of India. In the leadership of deputy director Dr Sanjay Manjul. Department of History organise a visit regarding excavation of Rakhigadhi. 145 students visit the Historical site as Mound no. 1, 3, 4 and 7. Expert of ASI explain about the importance of the site as well as they explain the material which has been excavated from the different layer of Rakhigadhi

- Department of History also organise a local visit to Hisar City, mainly Krantimaan Park and Historical Church of Hisar. Dr. Mahender Singh explain the importance of Krantimaan Park and the event of 1857 in Hisar as well as art and architecture of Church and importance was explained by Mr. David in the Church. Assistant Professor Shri Mahender Singh also explain the historical sites and organise question answer session for the students.
 - On 28 April 23 Department History mark a new important event in the history of department and MOU has been signed with Gandhi adhyayan Kendra Sarvoday bhavan Hisar. According to this MOU both institution will work together for the growth of students as well as youth throw activity on Mahatma Gandhi. Both institution walk together for the betterment of society on the important thought. Principal Dr. Vikramjit Singh, Dr. Mahender Singh, HOD history and other teacher of history department Dr Suruchi Sharma and Shri Mahender Singh were the party from college side and Shri Dharmveer Sharma manager of Sarvoday Bhavan Hisar represent the Sarvodaya Bhavan Hisar.

Dr. Mahender Singh, Head

Department of History









स्वामी दयानन्द सरस्वती द्विशताब्दी जयंती समारोह

दयानन्द महाविद्यालय में प्रदर्शनी के साथ साप्ताहिक कार्यक्रमों का शुभारंभ

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 10 फरवरी : दयानन्द महाविद्यालय, हिसार के इतिहास विभाग के आर्यसमाज के संयुक्त तत्वाधान में स्वामी दयानन्द सरस्वती द्विशताब्दी समारोह व प्रदर्शनी का उद्घाटन हुआ। स्वामी दयानन्द सरस्वती के द्विशताब्दी समारोह की कृतज्ञ राष्ट्र द्वारा वर्षभर आयोजित किया जाएगा। इस कड़ी में दयानन्द महाविद्यालय में आज स्वामी दयानन्द सरस्वती के जीवनवत कार्यों तथा आर्य समाज के योगदान को दर्शाते हुए दुलर्भ चित्रों की प्रदर्शनी लगाई गई। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि चौ. हरि सिंह सैनी, प्रधान, आर्य समाज लाला लाजपत राय चौक, नागोरी गेट, हिसार, श्री रमेश लीखा, सचिव, डी.ए.वी. मैनेजिंग कमेटी, नई दिल्ली तथा श्री अनिल कुमार सहायक निदेशक डिविजनल अभिलेखागार, हिसार एवं

श्री देवेन्द्र उप्प्ल, सदस्य, डी.ए.वी. कॉलेज मैंनेजमैंट कमेटी, नई दिल्ली रहे। कालेज में सर्वप्रथम विशेष यज्ञ का आयोजन ब्राह्म महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रमोद योगार्थी के द्वारा किया गया। फिर प्रदर्शनी का अवलोकन रहा। इस प्रदर्शनी में स्वामी जी का टकारा (गुजरात) में प्रारम्भिक जीवन, गुरू बिरजानन्द दण्डी से शिक्षा, आर्यसमाज की स्थापना, विभिन्न



तरह के कार्यों, अजमेर में जीवन आर्य समाज की शिक्षण संस्थाएं डी.ए.वी. एवं गुरूकुल प्रणाली, लाला लाजपत का हिसार प्रवास, हिसार क्षेत्र में आर्य समाज की गतिविधियों तथा स्वतंत्रता संग्राम में आर्य समाज की भूमिका को दर्शाते चित्र आकर्षण का केन्द्र रहे। इसी कड़ी में अतिथियों द्वारा महाविद्यालय के इतिहास विभाग द्वारा स्थापित संग्राहलय व अभिलेखागार का अवलोकन भी किया।

इस अवसर पर सर्वप्रथम डॉ. मोनिका कक्षड़, प्रभारी आर्य समाज द्वारा अतिथियों का अभिवादन किया गया तथा कार्यक्रम का परिचय भी दिया। डॉ. महेन्द्र सिंह, इतिहास विभाग द्वारा प्रदर्शनी का उद्देश्य, महत्व, आर्य समाज की भूमिका व महत्व तथा स्वामी दयानन्द के जीवन दर्शन, व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला गया। विशिष्ट अतिथि चौधरी हरि सिंह सैनी ने अपने संबोधन में विद्यार्थियों को सीख दी कि वे स्वामी दयानन्द से प्रेरणा लें। उन्हें कालेज को आर्य समाज द्वारा हर प्रकार के सहयोग का आश्वासन भी दिया। श्री रमेश लीखा जी द्वारा आर्य समाज के मूल्यों व आदर्शों को रेखांकित किया गया तथा भारत के स्वतन्त्रता संग्राम में आर्य समाज की भूमिका को वर्णित किया। श्री अनिल कुमार जी द्वारा आर्य समाज से सम्बन्धित दस्तावेजों तथा उनके रखरखाव के महत्व पर जोर दिया।

श्री देवेन्द्र उप्पल ने अपने सम्बोधन में विद्यार्थियों को प्रेरित किया कि वे नई विचारधार के साथ वेदों को भी अपनाएं। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. विक्रमजीत सिंह द्वारा भारतीय जनमानस के जीवन में आर्य समाज, हरियाणा के सांस्कृतिक धरोहर में आर्य समाज के महत्व को विशेष तौर पर प्रस्तुत किया। उन्होंने महाविद्यालय में इस विषय पर वर्षभर चलने वाली गतिविधियों पर

भी चर्चा की। डॉ. विवेक श्रीवास्तव द्वारा अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया तथा भविष्य में भी उनमें मार्गदर्शन देते रहने का अनुरोध किया। यह प्रदर्शनी इतिहास परिषद के तत्वाधान तथा मेहनत का प्रतिफल रही तो उनकी उपस्थिति व भूमिका सराहनीय रही। इस कार्यक्रम का मंच संचालन डॉ. सुरूचि शर्मा, इतिहास विभाग द्वारा किया गया। इस अवसर पर इतिहास विभाग के प्राध्यापक श्री महेन्द्र सिंह, आर्य समाज से जुड़े शिक्षक, कॉलेज गवर्निंग बॉडी के सदस्य श्री मंजीत सिंह, श्री अनिल शर्मा, शिक्षक संघ के अध्यक्ष श्री विजय सिंह, सचिव श्री चेतन शर्मा, गैर-शिक्षक स्टाफके प्रतिनिधि श्री स्रेन्द्र कादियान के साथ-साथ शिक्षक स्टाफ व गैर शिक्षक स्टाफ के सदस्य उपस्थित रहे। यह प्रदर्शनी 15.02.2023 तक विद्यार्थियों तथा जनसामान्य के लिए खली रहेगी।







स्वामी दयानंद सरस्वती के दुर्लभ चित्रों की प्रदर्शनी लगाई

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। दयानंद महाविद्यालय के इतिहास विभाग के आर्थसमाज के संपूरत तलाकपान में स्वामी दयानन्द सास्वती दिशताब्दी समारोह व प्रदर्शनी का उद्यादन हुआ। स्वामी दवानन्द सरस्वती के जीवनवृत कार्यो व आर्य समाज के योगदान को दशांने हुए दुलंध चित्रों की पदर्शनी लगाई गई।

विशिष्ट अतिथि आएं समाज नागोरी गेट के प्रधान चौधरी हार सिरह मैनी, डीएवो मैनेजमेंट कमेटी के सचिव रमेश लीखा, अधिलेखागर विभाग के सहायक निदेशक अमिल बुभार देखेन्द्र उप्पल रहे।

ब्राह्म महाविद्यालय के प्राचार्य हाँ प्रमीद योगाधी ने हवन यह कराया। प्रदर्शनी



हिसार में दयानंद महाविद्यालय में प्रदर्शनी का अवलोक करते अतिथिगण। संबद

में खामी दवानंद सरस्वती का टकारा (ग्जरात) में प्राराध्यक जीवन गर बिरजानन्द दंडी में शिक्षा, आर्यसमाज की स्थापना, विधिन्न तरह के कार्यों, अजमेर में जीवन आर्थ समाज की शिक्षण संस्थाए डोएबी एवं गुरुक्ल प्रणाली, लाला लाजपत का हिसार प्रवास, हिसार क्षेत्र में आये समाज की गतिविधियों तथा स्थतंत्रता

संपाम में आर्थ समाज की भूमिका को दशति चित्र आकर्षण का केंद्र रहे। मार्गविद्यालय के इतिहास विभाग द्वारा स्थापित संग्राहलय च अभिलेखागार का अवलोकन भी किया। आर्य समाज प्रभारी डॉ. मोनिका कवकड ने अतिथियों का अभिवादन किया गया तथा कार्यक्रम का परिचय भी दिया। हाँ महेंद्र सिंह, इतिहास

विभाग द्वारा प्रथमेंनी का उद्देशय, महात्म. आर्थ समाज की भूषिका व महता तथा स्थामी दमानन्द के जीवन दर्शन व्यक्तिता स कृतितस्य पर प्रकाण हाला गणा। चौधरी हरि सिंह सैनी ने अपने संयोधन में विद्यार्थियों को साँख दी कि वे स्वामी दयानन्द से प्रेरणा लें। रमेश लोखा ने स्वत-वता संप्राम में आर्थ समाज की भूमिका को व्यर्णित किया। आनल कुमार ने आर्य समाज से संबंधित दस्तावेजी व उनके रखारखान के महत्त्व पर जोर दिना। प्राचार्य डॉ. विक्रमजीत सिंह ने चतामा कि महाविद्यालय में इस विषय पर गतिविधिया वर्षभर चलेंगी। कार्यक्रम का मंच संचालन डॉ. सुरुचि शर्मा ने किया। इस मीके पर भंजीत सिंग, अनिस्त शर्मा, विजय, चेतन, सुरेंद्र सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

JAGARA N

आर्य समाज के योगदान को दर्शाते चित्रों की प्रदर्शनी लगाई

जागरण संवाददाता, हिसार : दयानन्द महाविद्यालय, हिसार के इतिहास विभाग के आवंसमाज के संयुक्त तत्वाधान में स्थामी दयानन्द सरस्वती दिशताब्दी समारोह व प्रदर्शनी का उद्घाटन हुआ। स्वामी दयानन्द सरस्यती के द्विशताब्दी समारोह की कृतज्ञ राष्ट्र हारा वर्षभर आयोजित किया जाएगा। इस कड़ी में दयानन्द महाविद्यालय में शुक्रवार स्वामी दयानन्द सरस्वती के जीवनवृत कार्यो और आर्य समाज के योगदान को दर्शाते हुए दुलमं चित्रों को प्रदर्शनी लगाई गई। इस प्रदर्शनी में स्वामी का टकारा (गुजरात) में प्रारम्भिक जीवन, गुरु बिरजानन्द स्थापना, विभिन्न तरह के कार्यों, अजमेर में जीवन आर्य समाज की



दयानन्द महाविद्यालय में प्रदर्शनी का अवलीकन करते हुए गणमान्य। 🌣 विद्यक्ति

शिक्षण संस्थाएं डीएवी एवं गुरुकुल ची हरि सिंह सैनी, प्रधान, आवं प्रणाली, लाला लाजपत का हिसार प्रवास, हिसार क्षेत्र में आर्य समाज की गतिविधियों और स्वतंत्रता संग्राम दंडी से शिक्षा, आर्यसमाज की में आर्य समाज की भूमिका को दशांते चित्र आकर्षण का केन्द्र रहे।

समाज लाला लाजपत राय चौक, नागोरी गेट, रमेश लोखा, सचिव, डीएवी मैनेजिंग कमेटी, नई दिल्ली और अनिल कुमार साहायक निदेशक डिविजनल अभिलेखागार एवं देवेन्द्र इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि उपल, सदस्य, डीएवी कालेज

मैनेजमेंट कमेटी, नई दिल्ली रहे। कालेज में सर्वप्रथम विशेष यत का आयोजन ब्राह्म महाविद्यालय के प्राचार्य हा प्रमोद योगार्वी के इस किया गया। फिर प्रदर्शनी का अवलोकन रहा।

हा महेन्द्र सिंह, इतिहास विभाग द्वारा प्रदर्शनी का उद्देश्य, महत्व, आर्य समाज को भूमिका व महत्व और स्यामी दयानन्द के जीवन दर्शन और व्यक्तित्व पर प्रकाश हाला गया। विशिष्ट अतिथि घौधरी हरि सिंह सैनी ने विद्यार्थियों को सीख दी कि वे स्वामी दवानन्द से प्रेरणा लें। रमेश लोखा द्वारा आर्य समाज के मुल्यों व आदशों को रेखांकित किया गया और भारत के स्वतंत्रता संग्राम में आयं समाज की मृश्विका को वर्णित किया।

BHASHKAR 11-3-23

चित्रों से स्वामी दयानंद की जीवन यात्रा को दर्शाया



हिसार | दरानंद कॉलेज के इतिहास विभाग और आर्य समाज के संयुक्त तत्वावधान में स्वामी द्यानंद सरस्वती द्विशताब्दी समारोह व प्रदर्शनी का उद्घाटन किया गया। इस अक्सर पर आर्य समाज के यत का आयोजन बहा कॉलेज के प्राचार्यं डॉ. प्रमोद योगार्थी ने किया। उन्होंने बताया कि स्वामी दयानंद ने आर्य समाज की स्थापना की थी। मंजीत सिंह, अनिल शर्मा, विजय डीएन कॉलेज में आयोजित प्रदर्शनी में गुरु बिरजानंद दंडी शिक्षा, आर्य कतकड़, डॉ. महेंद्र सिंह, डॉ. थिवेक समाज को स्थापना, अजमेर में श्रीवास्तव आदि उपस्थित थे।

जीवन, आर्य समाज के शिक्षण संस्थान, डीएवी एवं गुरुकुरन प्रणाली लाला लाजपतराय का क्रिमार प्रवास आदि चित्र आकर्षण का केंद्र रहे। प्रधान हरियाह सैनी, रमेश लीखा, अनिल कुमार, प्राचार्य विक्रमजीत सिंह, डॉ. सुरुचि शर्मा, सिंह, चेतन शर्मा, डॉ. मोनिका

आर्य समाज के योगदान को दर्शाते चित्रों की प्रदर्शनी लगाई

जागरण संवादवाताः हिसार : दयानन्द महाविद्यालय, हिसार के इतिहास विभाग के आयंसमाज के संयुक्त तत्वाधान में स्वामी दयानन्द सरस्वती द्विशताब्दी समारोह व व्दर्शनी का उद्घाटन हुआ। स्वामी यानन्द सरस्वती के द्विशताब्दी प्रमारोह की कृतज्ञ राष्ट्र द्वारा वर्षभर भायोजित किया जाएगा। इस डी में द्यानन्द महाविद्यालय में कबार स्वामी दयानन्द सरस्वती के विनवृत कार्यो और आयं समाज के गदान को दशति हुए दुलर्भ चित्रों । प्रदर्शनी लगाई गई। इस प्रदर्शनी स्वामी का टकारा (गुजरात) में र्गम्भक जीवन, गुरु बिरजानन्द आर्यसमाज की पना, विभिन्न तरह के कार्यों. रेर में जीवन आर्थ समाज की



दयानन्द महाविद्यालय में प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए गणमान्य। 🍩 विज्ञापि

शिक्षण संस्थाएं डीएवी एवं गुरुकुल प्रणाली, लाला लाजपत का हिसार प्रवास, हिसार क्षेत्र में आर्य समाज की गतिविधियों और स्वतंत्रता संग्राम में आर्य समाज की भूमिका को दशांते चित्र आकर्षण का केन्द्र रहे। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि चौ. हरि सिंह सैनी, प्रधान, आर्य समाज लाला लाजपत राय चौक, नागोरी गेट, रमेश लीखा, सचिव, डीएवी मैनेजिंग कमेटी, नई दिल्ली और अनिल कुमार सहायक निदेशक डिविजनल अभिलेखागार एवं देवेन्द्र उप्ल, सदस्य, डीएवी कालेज मैनेजमेंट कमेटी, नई दिल्ली रहे। कालेज में सर्वप्रथम विशेष यज्ञ का आयोजन ब्राह्म महाविद्यालय के प्राचार्य डा. प्रमोद योगार्थी के द्वारा किया गया। फिर प्रदर्शनी का अवलोकन रहा।

डा. महेन्द्र सिंह, इतिहास विभाग द्वारा प्रदर्शनी का उद्देश्य, महत्व, आर्य समाज की भूमिका व महत्व और स्वामी दयानन्द के जीवन दर्शन और व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला गया। विशिष्ट अतिथि चौधरी हरि सिंह सैनी ने विद्यार्थियों को सीख दी कि वे स्वामी दयानन्द से प्रेरणा लें। रमेश लीखा द्वारा आर्य समाज के मूल्यों व आदशौं को रेखांकित किया गया और भारत के स्वतंत्रता संग्राम में आर्य समाज की भूमिका को विणंत किया।

स्वामी दयानंद सरस्वती के दुर्लभ चित्रों की प्रदर्शनी लगाई

मार्ड सिटी रिपोर्टर

हिसार। दयानंद महाविद्यालय के इतिहास विभाग के आर्यसमाज के संयुक्त तत्वावधान में स्वामी दयानन्द सरस्वती डिशताब्दी समारोह व प्रदर्शनी का उद्घाटन हुआ। स्वामी दयानन्द सरस्वती के जीवनवृत कार्यों व आर्य समाज के बोगदान को दर्शाते हुए दुर्लभ चित्रों की प्रदर्शनी लगाउं गई।

विक्षिप्ट अतिथि आर्य समाज नागोरी गेट के प्रधान चौधरी हरि सिंह सैनी, डीएवी मैनेजमेंट कमेटी के सचिव रमेश लोखा, अधिलेखागर विधाग के सहायक निदेशक अनिल कमार देवेन्द्र उप्पल रहे।

श्राह्म महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रमोद योगार्थी ने हचन यह कराया। प्रदर्शनी



हिसार में द्रयानंद महाविद्यालय में प्रदर्शनी का अवलोक करते अतिविगण। मंजर

में स्थामी दयानंद सरस्वती का टकारा (गुजरात) में प्रारम्भिक जीवन, गुरु बिरजानन्द दंडी से शिक्षा, आर्यसमान की स्थापना, विभिन्न तरह के कार्यों, अजमेर में जीवन आर्य समाज की शिक्षण संस्थाएं डॉएबी एवं गुरुकुल प्रणाली, लाला लाजपत का हिसार प्रचास, हिसार क्षेत्र में आर्य समाज की गतिविधियों तथा स्वतंत्रता संग्राम में आर्थ समाज की भूमिका को दशति चित्र आकर्षण का केंद्र रहे। महाविद्यालय के इतिहास विभाग द्वारा स्थापित संग्राहलय व अभिलेखागार का अवलोकन भी किया। आर्थ समाज प्रभारी डॉ. मोनिका कक्कड़ ने अतिथियों का अर्थभवादन किया गया तथा कार्यक्रम का परिचय भी दिया। डॉ. महेंद्र सिंह, इतिहास विभाग द्वारा प्रदर्शनी का उददेश्य, महता आर्य समाज को भूमिका व महत्व तथ स्वामी दयानन्द के जीवन दर्शन, व्यक्तित च कृतितत्व पर प्रकाश डाला गया। चौधरं हरि सिंह सैनी ने अपने संबोधन म विद्यार्थियों को सीख दी कि ये स्थान दयानन्द से प्रेरणा लें। रमेश लीखा स्वतन्त्रता संद्रम में आर्थ समात्र व भूमिका को वर्णित किया। अनिस कमार आर्थ समाज से संबंधित दस्तावेजों व उन्हें रखरखाल के महत्व पर जोर दिया। प्रचा जो विक्रमजीत सिंह ने बताया वि महाविद्यालय में इस विषय पर गतिविधिय वर्षभा चलेगो। कार्यक्रम का मंच संचाल डॉ. सुरुचि शर्मा ने किया। इस मौके प मंजीत सिंह, अनिल शर्मा, विजय, चेतन सरेंद्र सीति अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

डीएन कालेज के विद्यार्थियों ने किया फिरोज शाह के किले का भ्रमण

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 28 फरवरी : दयानंद महाविद्यालय हिसार के तत्वाधान में गत दिवस नगर स्थित फिरोज शाह के किले का भ्रमण किया गया। इस भ्रमण में कॉलेज के इतिहास विभाग के साथ साथ रक्षा अध्ययन विभाग के विद्यार्थियों की भी सहभागिता रही। ऐतिहासिक भ्रमण के उद्देश्य से विद्यार्थी सर्वप्रथम कॉलेज के महात्मा हंसराज हाल में एकत्रित हुए। भ्रमण से पहले विधार्थियों को निर्देश दिए तथा समूहों में बांटा गया। कॉलेज के प्राचार्य डॉ. विक्रमजीत सिंह ने बताया कि विद्यार्थियों के जीवन में ऐतिहासिक स्थलों की जानकारी होना बहुत महत्वपूर्ण हैं। विद्यार्थियों को बेहतर भविष्य बनाने के लिए इतिहास के बोध के साथ वर्तमान में सुधार



करने का प्रयास करना चाहिए। इस फील्ड विजिट द्वारा विद्यार्थियों को किले की ऐतिहासिकता, निर्माण शैली तथा हिसार के इतिहास के बारे में ज्यादा से ज्यादा जानकारी प्राप्त करने की कोशिश करनी चाहिए। इतिहास विभाग के अध्यक्ष डॉ. महेंद्र सिंह ने इस समृह को विस्तार से विभिन्न पक्षों की जानकारी दी जिसमे स्पष्ट किया की किले का निर्माण मार्च 1354 से अक्टूबर 1356 के बीच मिलक दानियाल नागोरी की देखरेख में हुआ। किले में सुल्तान के सिंहासन स्थल, दीवान ए आम, दीवान ए खास, लाट की मस्जिद, पानी की व्यवस्था तथा आवास की जानकारी दी गयी, विश्राम गृह, तहखाने तथा शासक के आवास की जानकारी दी गयी। इतिहास विभाग की एसोसिएट प्रो. डॉ. सुरुचि शर्मा द्वारा किले के विभिन्न पक्ष बताये गये। इसी तरह इतिहास विभाग के प्राध्यापक श्री महेंद्र सिंह ने भी किले की महत्ता पर प्रकाश डाला। भ्रमण के उपरांत विद्यार्थियों के लिए प्रश्न सभा रखी गयी जिसमे विधार्थियों की जिज्ञासा को शिक्षकों ने शांत किया। इसमें रक्षा अधययन विभाग से डॉ. प्रमोद कुमार तथा डॉ. रविंदर कुमार भी उपस्थित रहे। इस भ्रमण में कॉलेज के 200 से अधिक छात्र, शिक्षक तथा गैर शिक्षक स्टाफ के सदस्यों की भागीदारी रही।



डीएन कॉलेज के छात्रों ने किया किले का भ्रमण

भारकर न्यूज हिसार

दयानंद महाविद्यालय के इतिहास व रक्षा अध्ययन विभाग द्वारा फिरोजशाहं किले का भ्रमण किया गया। इस भ्रमण में कॉलेज के इतिहास विभाग के साथ साथ रक्षा अध्ययन विभाग के विधार्थियों की भी सहभागिता रही। प्राचार्य डॉ. विक्रमजीत सिंह ने बताया कि विद्यार्थियों के जीवन में ऐतिहासिक स्थलों की जानकारी होना बहुत महत्वपूर्ण हैं।

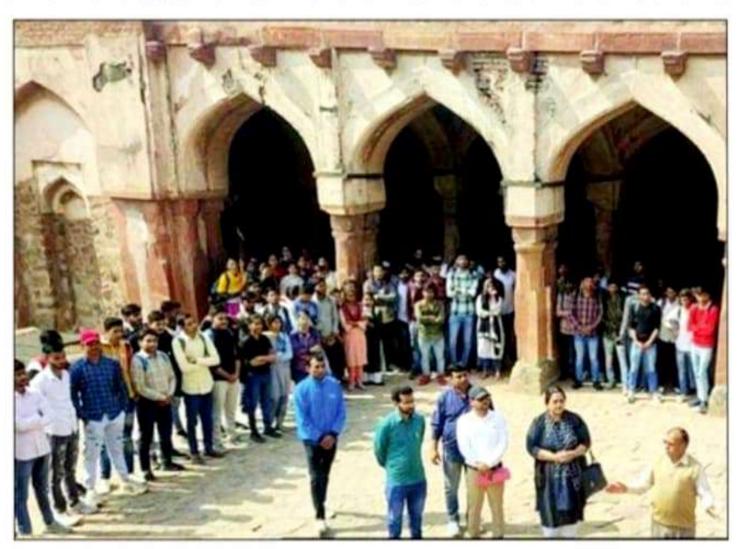
इतिहास विभाग की एसोसिएट प्रो. डा. सुरुचि शर्मा द्वारा किले के विभिन्न पक्ष बताये गये। इस अवसर पर डा. प्रमोद कुमार तथा डा. रविंदर कुमार भी उपस्थित रहे।

दयानंद महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने किया किले का भ्रमण

माई सिटी रिपोर्टर

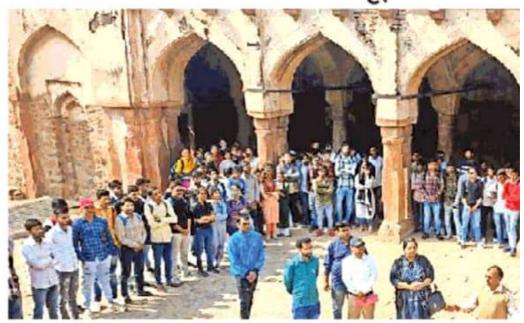
हिसार। दयानंद महाविद्यालय के विद्यार्थियों को फिरोज शाह के किले का भ्रमण कराया गया। कॉलेज के इतिहास विभाग के साथ साथ रक्षा अध्ययन विभाग के विद्यार्थियों की भी सहभागिता रही।

इतिहास विभाग के अध्यक्ष डॉ. महेंद्र सिंह ने बताया कि किले का निर्माण मार्च 1354 से अक्टूबर 1356 के बीच मिलक दानियाल नागोरी की देखरेख में हुआ। किले में सुल्तान के सिंहासन स्थल, दीवान ए आम की मस्जिद की जानकारी दी। एसोसिएट प्रो. डॉ. सुरुचि शर्मा, डॉ. प्रमोद कुमार तथा डॉ. रविंद्र कुमार भी उपस्थित रहे।



फिरोजशाह के किले का भ्रमण करते दयानंद महाविद्यालय के विद्यार्थी।

विद्यार्थियों के लिए ऐतिहासिक स्थलों की जानकारी होना महत्वपूर्ण : प्राचार्य



फिरोज शाह के किले का भ्रमण करते हुए दयानंद कालेज के विद्यार्थी • विज्ञिति

जागरण संवाददाता, हिसार : दयानंद महाविद्यालय हिसार के तत्वाधान में सोमवार नगर स्थित फिरोज शाह के किले का भ्रमण किया गया। इस भ्रमण में कालेज के इतिहास विभाग के साथ रक्षा अध्ययन विभाग के विद्यार्थियों की भी सहभागिता रही। ऐतिहासिक भ्रमण के उद्देश्य से विद्यार्थी सर्वप्रथम कालेज के महात्मा हंसराज हाल में एकत्रित हुए। भ्रमण से पहले विद्यार्थियों को निर्देश दिए और समूहों में बांटा गया।

कालेज के प्राचार्य हा. विक्रमजीत सिंह ने बताया कि विद्यार्थियों के जीवन में ऐतिहासिक स्थलों की जानकारी होना बहुत महत्वपूर्ण हैं। विद्यार्थियों को बेहतर भविष्य बनाने के लिए इतिहास के बोध के साथ वर्तमान में सुधार करने का प्रयास करना चाहिए। इतिहास विभाग के अध्यक्ष हा. महेंद्र सिंह ने इस समूह को विस्तार से विभिन्न पक्षों की जानकारी दी जिसमें स्पष्ट किया

- दयानंद महाविद्यालाय के विद्यार्थियों ने फिरोज शाह के किले का भ्रमण किया
- विश्राम गृह, तहस्त्वाने और शासक के आवास की दी जानकारी

की किले का निर्माण मार्च 1354 से अक्टूबर 1356 के बीच मलिव दानियाल नागोरी की देखरेख मे हुआ। किले में सुल्तान के सिंहासन स्थल, दोवान-ए-आम, दोवान-ए-खास, लाट की मस्जिद, पानी की व्यवस्था तथा आवास की जानकार्र दी गई। इसके अलावा विश्राम गृह तहखाने और शासक के आवास कं जानकारी दी गई। इतिहास विभाग की एसोसिएट प्रो. डा. सुरुचि शर्मा द्वार किले के विभिन्न पक्ष बताए गए इतिहास विभाग के प्राध्यापक महेंद्र सिंह ने किले की महत्ता पर प्रकाश हाला। अंत विद्यार्थियों के लिए प्रशन सभा स्खी गई, जिसमें विद्यार्थियों कं जिजासा को शिक्षकों ने शांत किया।

